NEXT™

NEWS EXCELLENT TODAY

• सटीक • तथ्यात्मक • प्रामाणिक



श्री महालक्ष्मी पूजन

शास्त्र सम्मत सारगर्भित विधान

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

सटीक
तथ्यात्मक
प्रामाणिक

श्री महालक्ष्मी पूजन
विधि, मुहूर्त एवं आवश्यक सामग्री

हर व्यक्ति यथासम्भव प्रयास करता है कि कुछ ऐसे उपाय या विधान अपनाएं या पूजन कुछ ऐसा करें कि माँ महालक्ष्मी का उस पर आशीर्वाद सदैव बना रहे।

माँ भगवती महालक्ष्मी के पाने पर या प्रतिमा पर फल, मेवा, नैवैद्य, पुष्प, बताशे आदि मनोयोग और विधि-विधान से अर्पित करके पूजन किया जाता है। दीपों की सजावट की जाती है।

इस पूजन विधि में भावना शुद्धि के साथ कुछ आवश्यक चरण भी हैं, जिनका आम पाठक भी सहजता से पालन करते हुए अपने घर या प्रतिष्ठान पर पूजन कर सकता है।

राजगुरु पंडित देवीलाल उपाध्याय
ज्योतिषविद्

राजगुरु पंडित रामदेव उपाध्याय
शास्त्री आचार्य ज्योतिषविद्

रोशनी से महके हर आंगन

दीपोत्सव
मंगलमय हो।

दीपावली का पावन पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशियों के नए रंग भरे। मां लक्ष्मी की कृपा से आपका घर-परिवार सदैव आनंद और सौभाग्य से परिपूर्ण रहे।

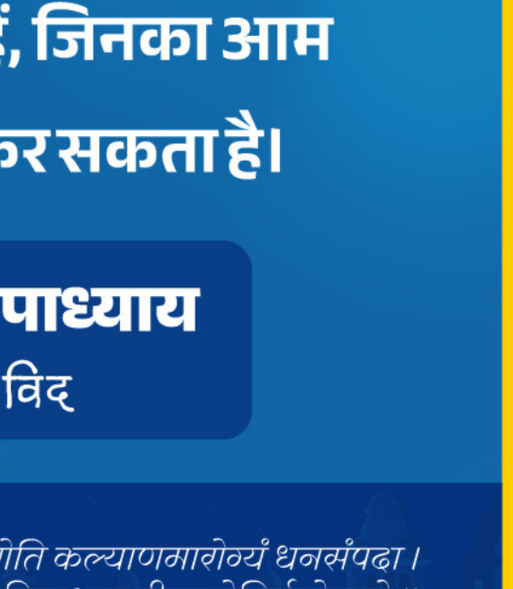


जुगल किशोर तावनियाँ
समाजसेवी

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा।
शत्रु बुद्धि विनाशाय दीपज्योतिर्नमोस्तुते॥

दीपोत्सव

आपको और
आपके पूरे परिवार
को पावन पर्व की
अनंत बधाइयाँ!



संतोष पारख

श्रीडूंगरगढ़ - जयपुर
गंगटोक - दार्जिलिंग - उदयपुर

प्रेम पारख, सिद्धार्थ पारख

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

सटीक
तथ्यात्मक
प्रामाणिक

धनतेरस मुहूर्त

6 नवम्बर, 2026 (शुक्रवार)

शुभ संवत 2083, कार्तिक कृष्ण द्वादशी (प्रात: 10:31 बजे उपरांत त्रयोदशी)

नक्षत्र	चन्द्र राशि
हस्त	कन्या

क्रमांक	लग्न	शुभ मुहूर्त
1	अभिजीत	सुबह 11:53 से दोपहर 12:41 बजे तक
2	कुम्भ	दोपहर 01:47 से दोपहर 03:16 बजे तक
3	मेष	शाम 04:45 से शाम 06:22 बजे तक
4	वृषभ	शाम 06:23 से रात्रि 08:18 बजे तक
5	मिथुन	रात्रि 08:19 से रात्रि 10:32 बजे तक
6	सिंह	रात्रि 12:50 बजे से रात्रि 03:05 बजे तक

विशेष पूजन काल

धनतेरस को यम दीप दान, श्री पूजन एवं श्री धन्वंतरि पूजन

6 नवम्बर, 2026 शुक्रवार को शाम 5:49 से रात्रि 8:13 बजे तक

खरीददारी का विशेष मुहूर्त

दोपहर 12:17 बजे से दोपहर 1:05 बजे तक



दीपोत्सव महापर्व
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रेखा सर्विस सेन्टर
गुसाईंसर बड़ा (श्रीडूंगरगढ़)

इंडियनऑयल
सुमति पारख

03

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

• सटीक
• तथ्यात्मक
• प्रामाणिक

श्री महालक्ष्मी पूजन दीपावली मुहूर्त

8 नवम्बर, 2026 (रविवार)

शुभ संवत 2083, कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी

प्रातः 11:28 बजे उपरांत अमावस्या आरम्भ

नक्षत्र: स्वाति | चन्द्र राशि: तुला

लक्ष्मी पूजन विशेष मुहूर्त

लग्न	पूजन का शुभ समय
अभिजीत	प्रातः 11:53 बजे से दोपहर 12:41 बजे तक
कुम्भ	दोपहर 1:39 बजे से 3:08 बजे तक
मेष	शाम 4:37 बजे से शाम 6:14 बजे तक
गोधूलि वेला	शाम 5:47 बजे से रात्रि 8:11 बजे तक
वृषभ	शाम 6:15 बजे से रात्रि 8:10 बजे तक
मिथुन	रात्रि 8:11 बजे से रात्रि 10:24 बजे तक
सिंह	रात्रि 12:43 बजे से रात्रि 2:57 बजे तक





NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

सटीक
तथ्यात्मक
प्रामाणिक

रोकड़ मिलान मुहूर्त

10 नवम्बर, 2026 (मंगलवार)

शुभ सम्वत 2083, कार्तिक शुक्ला प्रतिपदा

नक्षत्र विशाखा- प्रातः 9:11 बजे उपरांत अनुराधा

चन्द्र राशि- वृश्चिक

चंचल वेला- प्रातः 9:39 बजे से 11:00 बजे तक

लाभ व अमृत वेला- प्रातः 11:01 बजे से दोपहर 1:43 बजे तक

पूजन के लिए आवश्यक सामग्री

विभाग/श्रेणी	पूजन सामग्री
तिलक एवं सुगंध सामग्री	कुमकुम, चंदन, सिंदूर, अबीर-गुलाल, अक्षत (चावल), इत्र, रक्त चंदन
स्नान एवं अभिषेक (पंचामृत)	दूध, दही, घी, शहद, शर्करा (चीनी), केसर, गंगाजल
मुख्य पूजन सामग्री	मोली (कलावा), जनेऊ, पुष्प, पुष्पमाला, धूपबत्ती, दीपक (2 बड़े, 2 छोटे), घी, तेल, माचिस
नैवेद्य एवं प्रसाद सामग्री	प्रसाद, ऋतु फल, पान के पत्ते (11), लौंग, इलायची, सुपारी
विशेष पूजन सामग्री	रुई, कपूर, पीली सरसों, मतीरा, बोरिया, काचर, बाजरी का सिटा, गन्ना
वस्त्र एवं बर्तन सामग्री	लाल वस्त्र, सफेद वस्त्र, बाजोट (पूजन आसन), कांसी की थाली, स्टील की कटोरी, चमच, आसन

स्वस्थ परिवार खुशहाल संसार

शुभ दीपावली

दीपावली की रोशनी हर जीवन में नई आशा जगाए। हर परिवार आरोग्य, आनंद और अपनों के साथ के अनमोल पलों से समृद्ध रहे।

सर्वे सन्तु निरामया
तुलसी सेवा संस्थान

तुलसी मेडिकल एण्ड रिसर्च सेण्टर

तुलसी सेवा संस्थान, कोलकाता द्वारा संचालित

श्रीडूंगरगढ़ 331803 (बीकानेर) राज. | मो. 8094020143

ब्लड बैंक की सुविधा

डॉ. एन.पी. मारु — एम.एस. (लेप्रोस्कॉपिक व जनरल सर्जन)
डॉ. अरिहन्त बैद — मेडिकल ऑफिसर
डॉ. रामानन्द सिद्ध — फिजिशियन
डॉ. गौरव सिंघल — बी.डी.एस. (दन्त रोग विशेषज्ञ)
डॉ. प्रीति अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ)
डॉ. प्रवीण कुमार गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.डी. एनेस्थिसिया (निश्चेतन)
डॉ. आर.के. सुथार — एम.बी.बी.एस., डी.सी.एच (नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ)
डॉ. जहांगीर खान — डी.एम.आर.डी. (रेडियोलोजिस्ट) / सोनोलोजिस्ट

अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, आधुनिक मशीनों द्वारा खून, पेशाब जांच व सोनोग्राफी की नियमित सेवाएं तथा डिजिटल मशीन से एक्स-रे की सुविधा

फैको पद्धति से मोतियाबिन्द के ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध।

भीखमचन्द पुगलिया
अध्यक्ष

धर्मचन्द धाड़ेवा
मंत्री

सूर्य प्रकाश गाँधी
प्रशासक

प्रारम्भिक पूजन विधि

- चांदी या कांसी की थाली में कुमकुम से स्वास्तिक बनाएं।
- एक पूजन सुपारी पर मोली लपेटकर गणपति बनाकर स्वास्तिक पर स्थापित करें।
- तांबे/पीतल/मिट्टी के कलश में जल भरकर उसमें साबुत सुपारी, पीली सरसों, सर्व औषधि, सिक्का डालें।
- कलश पर मोली बांधें, स्वास्तिक बनाएं और पांच पान के पत्ते लगाकर नारियल स्थापित करें।
- एक चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर गणेश, लक्ष्मी और कलश की स्थापना ईशान कोण (पूर्व-उत्तर) में करें।
- यजमान सपत्नीक पूर्वाभिमुख बैठें।
- पंचामृत, गंध, पुष्प, दीप, धूप आदि सामग्री तैयार करें।

विधान पूजन का

शुद्धिकरण मंत्र

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥
ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु (3 बार उच्चारण करें)।



NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

सटीक
तथ्यात्मक
प्रामाणिक

गणेश एवं गौरी ध्यान

वक्रतुंड महाकाय कोटिसूर्यसमप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।
नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम॥

गणेश-अम्बिका पूजन



धूप दिखाएं

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः धूपमाघ्रापयामि।



दीपक दिखाएं

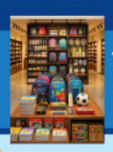
ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः दीपं दर्शयामि।

प्रसाद अर्पित करें

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः नैवेद्यं निवेदयामि।

पुष्प अर्पण करें

ॐ गणेशाम्बिकाभ्यां नमः गन्धाक्षत पुष्पं समर्पयामि।

जैन स्टोर
JAIN STORE & COLLECTION
खुशियों की चमक, अपनों का संग
शुभ दीपोत्सव
दीपों की आभा से जीवन आलोकित रहे..

पुस्तकें, स्टेशनरी, स्कूल बैग, स्पोर्ट्स सामान
स्कूल ड्रेस, पटाखे के थोक व खुदरा विक्रेता

महेन्द्र पुगलिया
9414397647, 9680634400, 9785634092
मोहिनी प्लाजा, हाई स्कूल रोड, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)



श्री माजीसा नगर कॉलोनी, बिग्गा बास, सरदारशहर रोड, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

कलश पूजन

कलश के अंदर देवी-देवताओं का ध्यान करें

कलशस्य मुखे विष्णुः कण्ठे रुद्रः समाश्रितः। मूले त्वस्य स्थितो ब्रह्मा मध्ये मातृगणाः स्मृताः॥
कुक्षौ तु सागराः सर्वे सप्तद्वीपा वसुन्धरा। ऋग्वेदोऽथ यजुर्वेदः सामवेदो ह्यथर्वणः॥
अङ्गैश्च सहिताः सर्वे कलशं तु समाश्रिताः। अत्र गायत्री सावित्री शान्तिः पुष्टिकरी तथा॥
आयान्तु देवपूजार्थं दुरितक्षयकारकाः। गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धुकावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु॥ सर्वे समुद्राः सरितस्तीर्थानि जलदा नदाः।
आयान्तु मम शान्त्यर्थं दुरितक्षयकारकाः॥

भगवान वरुण को धूप दिखाते हुए बोले

ॐ वरुणादि आवाहितेभ्यो नमः धूपमाघ्रापयामि।

कलश को दीपक दिखाते हुए बोले

ॐ वरुणादि आवाहितेभ्यो नमः दीपंदर्शयामि

अब कलश देवता को नैवैद्य अर्पित करते हुए बोले

ॐ वरुणादि आवाहितेभ्यो नमः नैवेद्यम निवेदयामि।

एक पुष्प के ऊपर कुमकुम व चावल लगाकर भगवान कलश देवता को अर्पित करते हुए बोले

ॐ वरुणादि आवाहितेभ्यो नमः गंधाक्षत पुष्पं समर्पयामि।


समाजसेवी
स्व. भीखमचन्द सेठिया

मिटे दिलों की कड़वाहट और हर मन में प्रीत पले,
इस पावन दीवाली पर हर चौखट पर उम्मीदों का दीप जले।
दीपावली
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
सुरेंद्र कुमार
पवनकुमार सेठिया
श्रीडूंगरगढ़- हैदराबाद


दीपावली
की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं
दीपावली का पावन पर्व हर परिवार के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, सुख और समृद्धि लेकर आए। अपनों का साथ बना रहे और खुशियों से हर घर रोशन हो।
रमेश मूंधड़ा अध्यक्ष
केमिस्ट एसोसिएशन, श्रीडूंगरगढ़
M. 9414417359

आरोग्य की कामना...
खुशियों का उजाला...

आर. के. ड्रग हाउस | श्याम ड्रग हाउस | श्री श्याम ड्रग हाउस | सत्यम् डायग्नोस्टिक

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

• सटीक
• तथ्यात्मक
• प्रामाणिक

ध्यान एवं आह्वान

ॐ लक्ष्मी गणपतिभ्यां नमः ध्यानार्थे पुष्पाणि समर्पयामि।

बोलते हुए पुष्प चढ़ाएं।

ॐ लक्ष्मी गणपतिभ्यां नमः आह्वनार्थे पुष्पाणि समर्पयामि।

ॐ लक्ष्मी गणपतिभ्यां नमः आसनार्थे पुष्पाणि समर्पयामि।

बोलकर आसन के लिए पुष्प अर्पित करें।

स्नान एवं अभिषेक विधि

1. ॐ लक्ष्मी गणपतिभ्यां नमः बोलकर 4 बार जल चढ़ाएं। और बोले पादयो: पाद्य समर्पयामि। हस्तयोर्घ्यम समर्पयामि। आचमनीयम समर्पयामि। सर्वांगेषु स्नानम समर्पयामि।
2. पंचामृत स्नान: दूध, दही, घी, मधु, शर्करा।
3. पंचामृत के बाद शुद्ध जल से स्नान।
4. गंधयुक्त चंदन जल से स्नान।
5. वस्त्र, आभूषण, इत्र, सिंदूर, कुमकुम, पुष्प अर्पण करें।
6. धूप, दीप, नैवेद्य, फल, ताम्बूल, दक्षिणा अर्पित करें।

आरती और समापन मंत्र

वक्रतुण्ड महाकाय कोटिसूर्यसमप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

या देवी सर्व भूतेषु महालक्ष्मीरुपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

फिर कहें

ॐ अनेन यथाशक्ति अर्चनेन
श्री महालक्ष्मीः प्रसीदतु।

आसन को प्रणाम करें और
श्रद्धा से पूजन पूर्ण करें।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं..!

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY



QR कोड को गूगल से स्कैन करें।

www.newsexcellenttoday.com

श्रीडूंगरगढ़ का सबसे तेजी से बढ़ता न्यूज़ पोर्टल

CONNECT WITH US

आज ही जुड़े और पढे NEXT 9414527266

नेक्स्ट कार्यालय- ग्राउंड फ्लोर टी.एम. प्लाजा, घास मंडी, श्रीडूंगरगढ़-331803 (बीकानेर)

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

• सटीक
• तथ्यात्मक
• प्रामाणिक



गणेशजी की आरती

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

एकदन्त दयावन्त चारभुजाधारी
मस्तक पर तिलक सोहे मूसे की सवारी।
हार चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा
लड्डुअन का भोग लगे संत करे सेवा॥
जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥

अंधे को आंख देत कोढ़िन को काया
बांझन को पुत्र देत निर्धन को माया।
सुबह शाम शरण आए सफल कीजे सेवा
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा॥
जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥



श्री लक्ष्मीजी की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, (मैया) जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निसिदिन सेवत हर-विष्णू-धाता ॥ॐ॥
उमा, रमा, ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता ।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ॐ ॥
दुर्गारूप निरञ्जनि, सुख-सम्पति-दाता ।
जो कोइ तुमको ध्यावत, रिद्धि-सिद्धि-धन पाता ॥ ॐ ॥
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता ।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ॥ ॐ ॥
जिस घर तुम रहती, तव सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ॥ ॐ ॥
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता ।
खान-पान का वैभव सब तुमसे आता ॥ ॐ ॥
शुभ-गुण-मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन कोई नहीं पाता ॥ ॐ ॥
महालक्ष्मी जी की आरती, जो कोई नर गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता ॥ ॐ ॥

NEXT
NEWS EXCELLENT TODAY

• सटीक
• तथ्यात्मक
• प्रामाणिक



माँ सरस्वती जी की आरती

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।
सद्गुण वैभवशालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥
चन्द्रवदनि पद्मासिनि, द्युति मंगलकारी।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ॥
बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला ॥
देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥
विद्या ज्ञान प्रदायिनि, ज्ञान प्रकाश भरी।
मोह अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो ॥
धूप दीप फल मेवा, माँ स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ॥
माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे।
हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे ॥
जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता।
सद्गुण वैभवशालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥



आरती कुंजबिहारी की

आरती कुंजबिहारी की, श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की ॥
गले में बैजंती माला, बजावै मुरली मधुर बाला
श्रवण में कुण्डल झलकाला, नंद के आनंद नंदलाला
गगन सम अंग कांति काली, राधिका चमक रही आली
लतन में ठाढ़े बनमाली भ्रमर सी अलक, कस्तूरी तिलक
चंद्र सी झलक, ललित छवि श्यामा प्यारी की,
श्री गिरिधर कृष्ण मुरारी की, आरती कुंजबिहारी की...॥
कनकमय मोर मुकुट बिलसै, देवता दरसन को तरसैं।
गगन सों सुमन रासि बरसै, बजे मुरचंग, मधुर मिरदंग ग्वालिन संग।
अतुल रति गोप कुमारी की, श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥ ॥ आरती...॥
जहां ते प्रकट भई गंगा, सकल मन हारिणि श्री गंगा।
स्मरन ते होत मोह भंगा, बसी शिव सीस।
जटा के बीच, हरै अघ कीच, चरन छवि श्रीबनवारी की
श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥ ॥ आरती कुंजबिहारी की...॥
चमकती उज्ज्वल तट रेनू, बज रही वृंदावन बेनू
चहुं दिसि गोपि ग्वाल धेनू हंसत मृदु मंद, चांदनी चंद, कटत भव फंद।
टेर सुन दीन दुखारी की श्री गिरिधर कृष्णमुरारी की ॥ ॥ आरती...॥



भैरूँजी की आरती

जय भैरव देवा, प्रभु जय भैरव देवा।
जय काली और गौरा देवी कृत सेवा॥
॥ जय भैरव देवा...॥

तुम्ही पाप उद्धारक, दुःख सिन्धु तारक।
भक्तों के सुख कारक, भीषण वपु धारक॥
॥ जय भैरव देवा...॥

वाहन श्वान विराजत, कर त्रिशूल धारी।
महिमा अमिट तुम्हारी, जय जय भयहारी॥
॥ जय भैरव देवा...॥

तुम बिन देवा सेवा सफल नहीं होवे।
चौमुख दीपक दर्शन दुःख खोवे॥
॥ जय भैरव देवा...॥

तेल चटकी दधि मिश्रित मावा मद्यो।
कृपा कीजै भैरव, तनिक न देर कढ़ै ॥
॥ जय भैरव देवा...॥



श्री हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की।
दुष्टदलन रघुनाथ कला की ॥
जाके बल से गिरिवर काँपे।
रोग दोष जाके निकट न झाँके ॥
अंजनि पुत्र महा बलदाई।
संतन के प्रभु सदा सहाई ॥
दे वीरा रघुनाथ पठाये।
लंका जारि सिया सुधि लाये ॥
लंका सी कोट समुद्र-सी खाई।
जात पवनसुत बार न लाई ॥
लंका जारि असुर संहारे।
सियारामजी के काज संवारे ॥
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे।
आनि संजीवन प्रान उबारे ॥
पैठि पताल तोरि जम कारे।
अहिरावण की भुजा उखारे ॥
बायें भुजा असुर दल मारे।
दाहिने भुजा संतजन तारे ॥
सुर नर मुनि जन आरती उतारे।
जै जै जै हनुमानजी उचारे ॥
कंचन थार कपूर लौ छाई।
आरति करत अंजना माई ॥
जो हनुमानजी की आरती गावै।
बसि बैकुंठ परमपद पावै ॥
लंका विध्वंस किए रघुराई ।
तुलसी दास प्रभु कीर्ति गाई ॥



आरती श्री महावीर जी की

जय महावीर प्रभो, स्वामी जय महावीर प्रभो

कुण्डलपुर अवतारी, त्रिशलानंद विभो ।। जय ।।

सिद्धारथ घर जन्में, वैभव था भारी।

स्वामी बाल ब्रहमचारी ब्रत, पाल्यो तपधारी ।। ॐ जय महा प्रभो ।।

आतमः ज्ञान विरागी, समदृष्टि धारी।

स्वामी माया मोह विनाशक, ज्ञान ज्योतिजारी। ।। ॐ जय महा प्रभो।।

जग में पाठ अहिंसा आप ही विस्तारयो।

स्वामी हिंसा पाप मिटाकर, सुधर्म परिचारयो ।। ॐ जय महा प्रभो।।

यही विधि चांदनपुर में, अतिशय दर्शाओ।

स्वामी ग्वाल मनोरथ पूरयो, दूधा गाय पायो ।। ॐ जय महा प्रभो।।

प्राणदान मंत्री को, तुमने प्रभु दीना।

स्वामी मंदिर तीन शिखर का निर्मित है कीना ।। ।। ॐ जय महा प्रभो ।।

जयपुर नृप भी तेरे अतिशय के सेवी।

स्वामी एक ग्राम तिन्ह दीनों सेवाहित यह भी ।। ।। ॐ जय महा प्रभो ।।

जो कोई तेरे दर पर इच्छा कर आवे।

स्वामी धन सुत सब कुछ पावे, संकट मिट जावे ।। ॐ जय महा प्रभो।।

निशदिन प्रभु मंदिर में जगमग ज्योति जरै।

स्वामी हम सेवक चरणों में आनंद मोद भरे ।। ॐ जय महा प्रभो।।